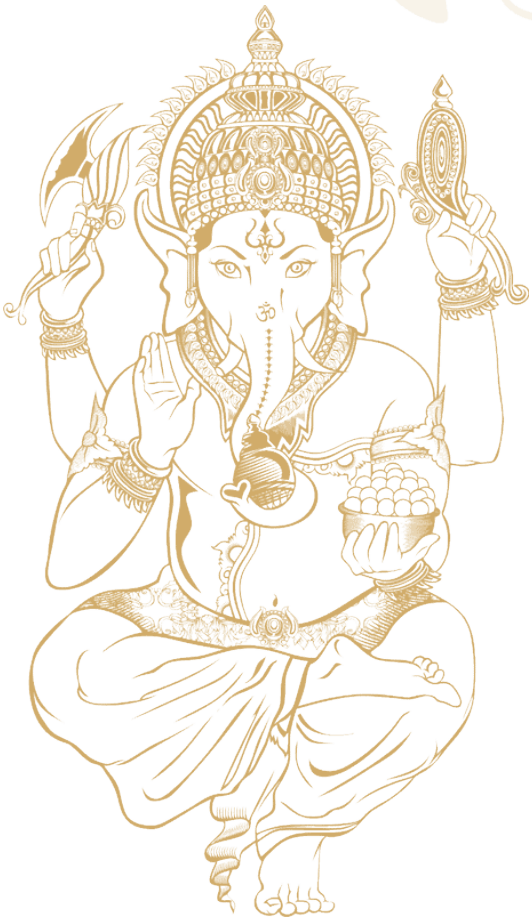

Mr jay

Ms ritu

Model: Love-Horoscope

Order No: 119335201

Model: Love-Horoscope

Order No: 119335201 Date: 03/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/04/1999	जन्म तिथि	8-09/01/2000
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 21:30:00	जन्म समय	05:33:00 घंटे
घटी 38:10:03	जन्म समय(घटी)	56:02:46 घटी
India	देश	India
Khargone	स्थान	Dhar
21:49:00 उत्तर	अक्षांश	22:32:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व	रेखांश	75:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:24	स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:13:58	सूर्योदय	07:10:15
18:44:21	सूर्यास्त	17:59:32
23:50:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:13
वृश्चिक	लग्न	धनु
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	मकर
शनि	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	श्रवण
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	3
सिद्ध	योग	वज्र
तैतिल	करण	तैतिल
भो-भोजराज	जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
नकुल	योनि	वानर
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मार्जार

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 3वर्ष 8मा 13दि		03:22:41	वृश्चि	लग्न	धनु	00:21:55	चन्द्र 3वर्ष 4मा 21दि	
राहु		25:30:41	मीन	सूर्य	धनु	24:09:51	राहु	
23/12/2019		01:46:02	मक	चंद्र	मक	18:48:37	01/06/2010	
22/12/2037		15:17:59	तुला व	मंगल	कुंभ	09:55:42	31/05/2028	
राहु	04/09/2022	29:17:04	कुंभ	बुध	धनु	19:52:21	राहु	11/02/2013
गुरु	28/01/2025	19:15:50	मीन	गुरु	मेष	01:47:56	गुरु	07/07/2015
शनि	05/12/2027	02:45:32	वृष	शुक्र	वृश्चि	16:48:41	शनि	13/05/2018
बुध	23/06/2030	10:39:05	मेष	शनि व	मेष	16:26:40	बुध	30/11/2020
केतु	11/07/2031	26:21:58	कर्क	राहु	कर्क	09:48:06	केतु	18/12/2021
शुक्र	11/07/2034	26:21:58	मक	केतु	मक	09:48:06	शुक्र	18/12/2024
सूर्य	05/06/2035	22:13:39	मक	हर्ष	मक	21:20:42	सूर्य	12/11/2025
चन्द्र	04/12/2036	10:19:15	मक	नेप	मक	09:36:42	चन्द्र	14/05/2027
मंगल	22/12/2037	16:27:23	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:51:26	मंगल	31/05/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:13

लग्न-चलित

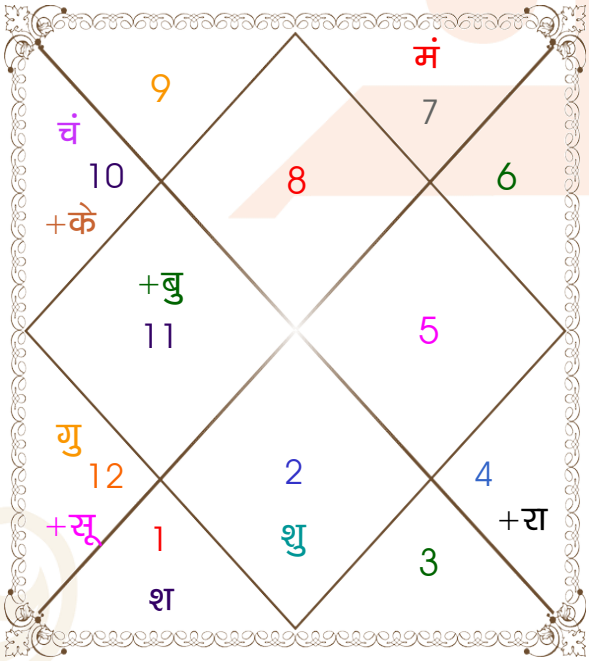

लग्न-चलित

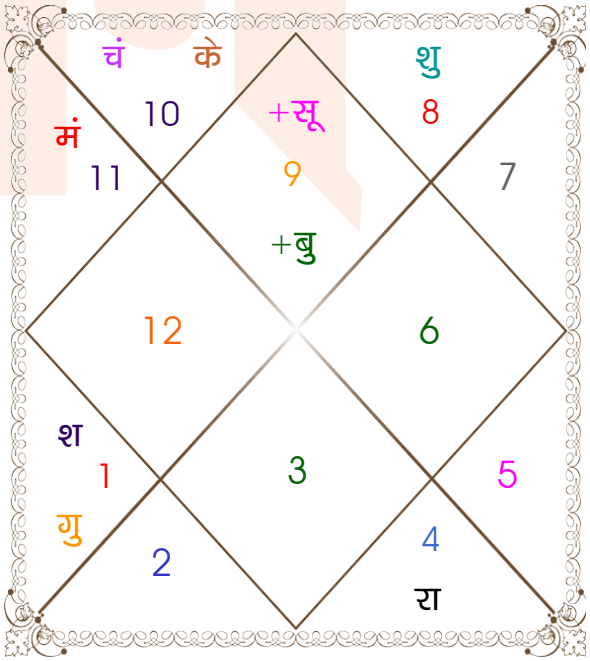

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

कुल : **24 / 36**

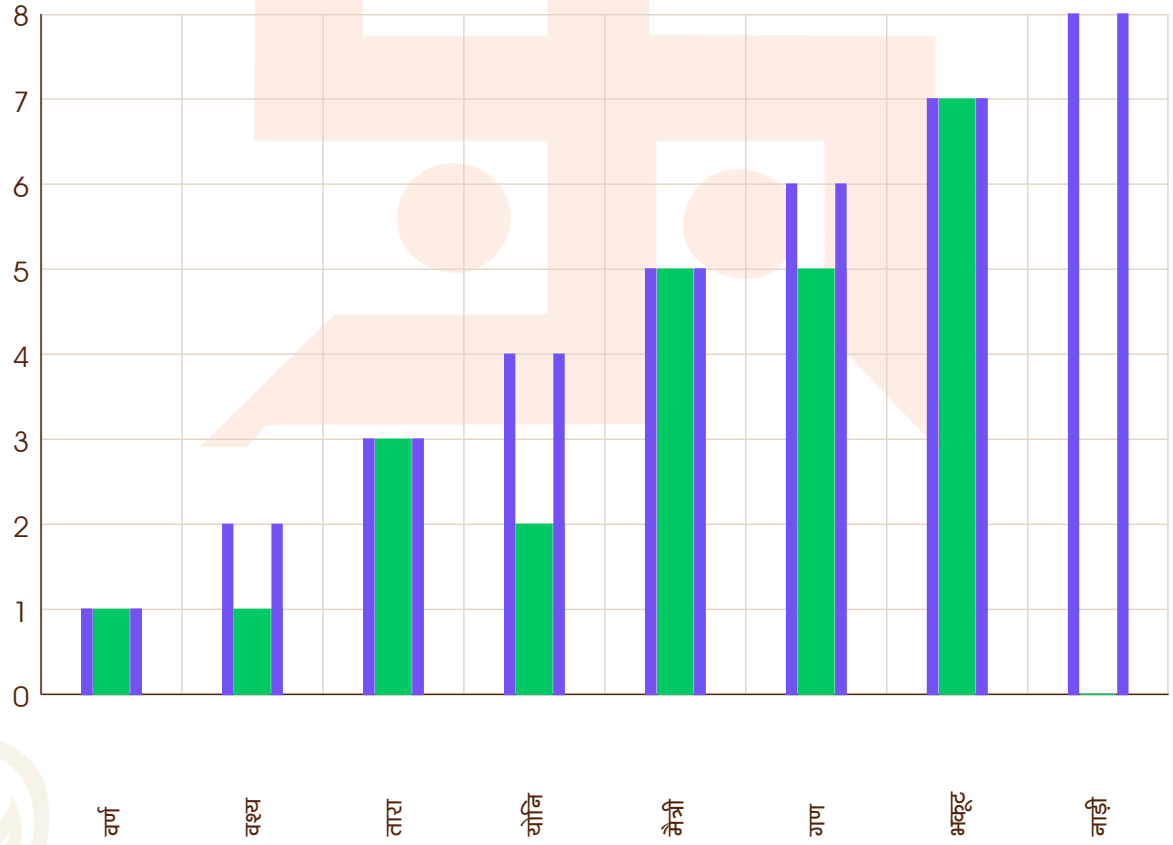

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र भिन्न हैं तथा राशियां एक है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms ritu का नक्षत्र श्रवण है।

Mr jay का वर्ग मूषक है तथा Ms ritu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr jay और Ms ritu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr jay मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr jay कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms ritu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms ritu कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr jay तथा Ms ritu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr jay का वर्ण वैश्य है तथा Ms ritu का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Mr jay और Ms ritu दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Mr jay और Ms ritu दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Mr jay का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms ritu का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Mr jay एवं Ms ritu दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Mr jay एवं Ms ritu दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Mr jay की तारा अतिमित्र तथा Ms ritu की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mr jay हमेशा Ms ritu के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Mr jay की योनि नकुल है तथा Ms ritu की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr jay एवं Ms ritu दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr jay एवं Ms ritu दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr jay का गण मनुष्य तथा Ms ritu का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms ritu सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Mr jay व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Mr jay अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Mr jay एवं Ms ritu दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr jay एवं Ms ritu तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr jay की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms ritu की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr jay एवं Ms ritu की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr jay एवं Ms ritu की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर राशि है। अतः राशितत्व में समानता के कारण इनके मध्य स्वभावगत समानता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में अनुकूल रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr jay और Ms ritu दोनों की राशि का स्वामी ग्रह शनि है। अतः दोनों के मध्य प्रगाढ़ मित्रता तथा अपनत्व का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करेंगे। Mr jay और Ms ritu दोनों एक दूसरे की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे प्रेम संबंधों में दृढ़ता रहेगी एवं वैवाहिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr jay और Ms ritu की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr jay और Ms ritu एक दूसरे के प्रतित्याग की भावना रखेंगे तथा सम्मान पूर्वक अस्तित्व को स्वीकार करेंगे एवं व्यक्तिगत मामलों में परस्पर हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अतः दाम्पत्य जीवन का पूर्ण आनंद तथा सुख बना रहेगा तथा आपस में विश्वास सम्मान एवं आत्मीयता का भाव भी रहेगा।

Mr jay का वश्य चतुष्पद एवं Ms ritu का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः Mr jay और Ms ritu की अभिरूचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

Mr jay एवं Ms ritu का वर्ण वैश्य है। अतः धनार्जन के प्रति दोनों की बराबर रूचि रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही समस्त कार्यो को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे।

धन

Mr jay की तारा अतिमित्र तथा Ms ritu की तारा सम्पत है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट का प्रभाव भी सम होगा तथा कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। लेकिन मंगल का अशुभ प्रभाव Mr jay की आर्थिक स्थिति पर रहेगा परन्तु कुल स्थिति पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा Mr jay और Ms ritu समृद्धि से युक्त होकर जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Ms ritu भाग्यशाली तथा धनाढ्य होंगी तथा Mr jay के शुभ प्रभाव से अपने

धन एवं वैभव की अभिवृद्धि करने में समर्थ होंगी लेकिन मंगल के प्रभाव से Mr jay यदा कदा मुक्त हाथों से व्यय करेंगे। अतः Mr jay को अपनी ऐसी प्रवृति पर नियंत्रण रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr jay और Ms ritu दोनों अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा। लेकिन Ms ritu के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव रहेगा। इससे उनको तथा अन्य स्त्रीजन्य गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी हो सकती है। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Ms ritu को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr jay और Ms ritu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr jay और Ms ritu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms ritu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms ritu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms ritu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr jay और Ms ritu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr jay और Ms ritu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms ritu के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms ritu धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms ritu के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms ritu का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms ritu से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr jay के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Mr jay तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Mr jay के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।

लग्न फल

Mr jay

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के प्रथम चरण मे वृश्चिक लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्र प्रभावानुसार यह सुनिश्चित संभावना है कि आप वैदेशिक यात्रा पर जाएंगे और वहीं अपना निवास बनाकर सुनिश्चित हो जाएंगे।

आप धनी, समृद्ध एवं तीव्र बुद्धि के स्वस्थ प्राणी होंगे। स्वाभाविक रूप से आप भ्रमण प्रिय होंगे तथा आप नये-नये स्थानों का परिदर्शन अर्थात् परिभ्रमण करने में समर्थ होंगे। आप में अनेकोनेक गुण विद्यमान हैं जो आपके यथेष्ठ धनोपार्जन में सहायक होगा। आप व्यक्तिगत रूप से अत्यंत ही दृढ़ निश्चयी हैं। आप अपने उद्देश्य से लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम करेंगे। आप अपने खेल के पत्ते को उसके लिए बंद कर देते हैं, जिनके संबंध में आपका हृदय स्वीकार नहीं करता। यदि अन्य व्यक्ति आपको सुनिश्चित कार्य-व्यवसाय हेतु प्रेरित करता है तो आप निश्चित समय पर निश्चित रीति से कार्य संपादन कर लेते हैं। आपकी भावनाओं अर्थात् बातों को समझ कर ठीक तरीके से कार्यान्वयन कर लेना किसी के लिए भी यह दुरूह कार्य है। आप निःसंदेह अत्यंत मधुर भाव से अपनी भावना के प्रतिकूल आचरण करने लगते हैं; लेकिन सभी लोग यह जानते हैं कि आप जो मुंह से उच्चारण करते हैं, वह सत्य नहीं है। स्पष्टतः आपकी उपस्थिति आपसे संबंधित बातों के लिए भ्रामक प्रमाणित होता है। आपकी आलस्यपूर्ण रवैया के प्रति आप ध्यान नहीं देते। यह उद्देश्य आपसे संबंधित कार्य संपादन हेतु अनैतिक कार्य है। आप किसी भी अवसर पर कोई भी अपेक्षित कार्यकाल अपनी अति प्रतिशोधात्मक मुद्रा अपना लेते हैं। इसलिए आप से संबंधित आपका कार्य बिना किसी भी बाधा के धीरे-धीरे संपादित हो जाता है।

आपकी ऐसी प्रवृति है कि आप स्वयं अपनी आस्था के अनुसार किसी भी विषय की गंभीरता पूर्वक जांच पड़ताल कर लेते हैं, क्योंकि आप परिपक्व बुद्धि के प्राणी है। आप अपने हित के लिए किसी भी यथार्थ कार्य हेतु संबंधित कठिन निर्णय लेकर अपने कार्य को सुगमतापूर्वक कार्य रूप देते हैं। आप स्वतंत्र निष्पक्ष एवं निर्भीक प्राणी हैं। आप अपने कार्य उद्देश्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में अपनी नीति के साथ किसी भी प्रकार की बुराई के प्रति सतर्कता पूर्ण रवैया अपनाकर चाहे जो कुछ भी व्यवधान हो। उसे स्पष्ट कर लेते हैं। आप स्वाभाविक रूप से आर्थिक सहयोग प्रदान कर प्रचूर मात्रा में आपको धनवान बनने का सौभाग्य प्रदान करता है।

आप धन संचय द्वारा समय-समय पर अपनी प्रवृति को मोड़कर उदरतापूर्वक अपने संबंधी एवं मित्रों को बहुतायत में अर्थात् पर्याप्त मात्रा में आर्थिक अनुदान देते हैं जो आपको उनके मध्य प्रसिद्ध बनाता है। आप अपनी विश्वसनीयता एवं सुयोग्य पत्नी के साथ अपना प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन को शान्तिपूर्वक बिताएंगे। आपके लिए आदर्श जीवन संगिनी हेतु उपयुक्त एवं दर्शनीय व्यक्ति वह है जिसका जन्म राशि वृश्चिक, कर्क, मीन, कन्या, मकर अथवा

वृष राशि हो। आप अति उत्तम संतान के साथ सौभाग्यशाली जीवन यापन करेंगे।

आपका व्यक्तित्व बहुत उत्तम है। आप औसतन लंबाई से युक्त पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। यदि आप किसी भी प्रकार का जोखिमपूर्ण कार्य किया तो कुछ वर्षों के पश्चात् आप प्रजनन दौर्व्यल्यता, इंद्रिय रोग एवं अनिंद्रा रोग से युक्त एवं आक्रांत हो जाएंगे। अतः आप इस प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्कता पूर्वक कदम उठाएं। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य रक्षा हेतु उत्तम एवं सहायक होगा।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आप अंको में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक को अपने हित में सम्मिलित कर सकते हैं, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहरणीय है।

रंगों में रंग नीला, सफेद एवं हरा रंग अनुपयुक्त है जबकि रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग आपके हित अनुकूल है।

Ms ritu

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों

से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।

अंक ज्योतिष फल

Mr jay

आपका जन्म दिनांक नौ होने से आपका मूलांक नौ होता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। अतः आपके अन्दर भी सेनापति, नायक, मुखिया इत्यादि बनने की चाह सामाजिक क्षेत्रों में बनी रहेगी। रोजगार व्यवसाय मे एकाधिकार की प्रवृत्ति आपमें पाई जायेगी। आपके अन्दर साहस अधिक होने से आप अपने कार्यों को अदम्य साहस से करते हुये कठिनाईयों को आसानी से पार कर लेंगे। स्वभाव में आपके तेजी रहेगी। फुर्ती एवं जल्दबाजी रहेगी। आपकी सदैव यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये।

आपके स्वभाव में साहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यों से सदैव दूर रहना हितकर रहेगा। आप अनुशासन प्रिय रहेंगे एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगे। खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी-कभी नुकसान भी उठायेंगे। अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें। मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा।

मंगल के मूलांक के प्रभाववश आप अग्नितत्व प्रधान रोगों के शिकार होंगे। अतः आपको सौम्यता का व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा।

Ms ritu

आपका जन्म दिनांक नौ होने से आपका मूलांक नौ होता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। अतः आपके अन्दर भी सेनापति, नायक, मुखिया इत्यादि बनने की चाह सामाजिक क्षेत्रों में बनी रहेगी। रोजगार व्यवसाय मे एकाधिकार की प्रवृत्ति आपमें पाई जायेगी। आपके अन्दर साहस अधिक होने से आप अपने कार्यों को अदम्य साहस से करते हुये कठिनाईयों को आसानी से पार कर लेंगी। स्वभाव में आपके तेजी रहेगी। फुर्ती एवं जल्दबाजी रहेगी। आपकी सदैव यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये।

आपके स्वभाव में साहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यों से सदैव दूर रहना हितकर रहेगा। आप अनुशासन प्रिय रहेंगी एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगी। खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी-कभी नुकसान भी उठायेंगी। अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें। मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा।

मंगल के मूलांक के प्रभाववश आप अग्नितत्व प्रधान रोगों की शिकार होंगी। अतः

आपको सौम्यता का व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा। क्रोध से बचना आपके लिए हितकर रहेगा।

Mr jay

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

Ms ritu

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।